लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3855

19 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए

इस्पात निर्यात

3855. श्री बी. विनोद कुमारः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की आगामी वर्षों में भारत को इस्पात का निवल निर्यातक बनाने की परिकल्पना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार की किस प्रकार इस्पात के आयात में कटौती और निर्यात में वृद्धि करने की योजना है; और

(ग) क्या सरकार का लौह अयस्क के मूल्यों और कोयले की आपूर्ति में उतार-चढ़ाव जिससे देश में इस्पात उत्पादन की लागत में अत्यधिक वृद्धि होती है, की समस्या से निपटने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसे किस प्रकार किया जाएगा?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) और (ख): भारत में इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। सरकार, देश में इस्पात उत्पादों के स्वतंत्र और उचित व्यापार में हस्तक्षेप नहीं करती है। भारत, वर्ष 2016-17 से इस्पात का शुद्ध निर्यातक है। विगत तीन वर्षों के दौरान पूर्ण फिनिश्ड इस्पात का आयात और निर्यात संबंधी विवरण निम्नवत् हैं:

(आंकड़े एमटी में)

वर्ष	आयात	निर्यात
2015-16	11.71	4.08
2016-17	7.23	8.24
2017-18 (अप्रैल-जनवरी)*	6.45	8.22

स्रोत: जेपीसी* अनंतिम

(ग): सरकार देश में लौह अयस्क या अन्य कच्ची सामग्रियों के मूल्य निर्धारण को नियंत्रित या विनियमित नहीं करती है। खनिज पदार्थ के आवंटन और इसके खनन की पारदर्शी नीति विद्यमान है। इसके अतिरिक्त, इस्पात विनिर्माता अपने वित्तीय सोच-विचारों के आधार पर किसी भी कच्ची सामग्री का आयात करने के लिए स्वतंत्र है।

*****